हिन्दी न्यूज़ लेटर

केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

(आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित संस्थान)

केन्द्रीय रेशम बोर्ड

वस्त्र मंत्रालय : भारत सरकार

लाहदोईगढ़ : जोरहाट (असम)

स्थापना दिवस विशेषांक

स्थापना दिवस के मौके पर संस्थान का झंडा फहराते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह

केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान तथा इसके पिछले 20 साल का अपना सफल तथा विकासात्मक इतिहास का मंथन करने, इसके साथ जुड़े कई विशिष्ट व्यक्तियों को याद करने तथा अब तक संस्थान द्वारा निष्पादित कार्यों की गतिविधियों तथा मूगा व एरी क्षेत्रों में विकसित प्रौद्योगिकियों की रूपरेखा प्रस्तुत करने की दृष्टि से संस्थान में 30 सितम्बर, 2016 को स्थापना दिवस का आयोजन किया गया जिसे ऐतिहासिक दिवस के रूप में याद रखा जाएगा, जिसमें गणमान्य व्यक्तियों का परम्परागत कला व संस्कृति से स्वागत किया गया।

स्थापना दिवस में आए विशिष्ट व्यक्तियों का गीत, ढोल और नगाड़े के साथ परंपरागत रीति से स्वागत किया गया।

स्थापना दिवस के दौरान मंच पर आसीन विशिष्ट व्यक्तियों क्रमशः (बाएं से) श्रीमती रेणुपमा राजखोवा, स्थानीय विधायिका, टियोक, जोरहाट, माननीय श्री रंजित दत्त, रेशम मंत्री, असम सरकार तथा डॉ एस.के. सेन, पूर्व निदेशक, केमूएअवप्रस,लाहदोईगढ़ का स्वागत करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ

आमंत्रित सभी विशिष्ट व्यक्तियों का पारंपरिक रूप से स्वागत करने के पश्चात माननीय रेशम मंत्री श्री रंजित दत्त, असम सरकार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर औपचारिक रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

माननीय रेशम मंत्री के समक्ष रेशम कीट के विभिन्न प्यूपा का प्रदर्शन करते हुए संस्थान के निदेशक

स्थापना दिवस समारोह में मौजूद माननीय रेशम मंत्री श्री रंजित दत्त, असम सरकार अपना वक्तव्य रखते हुए

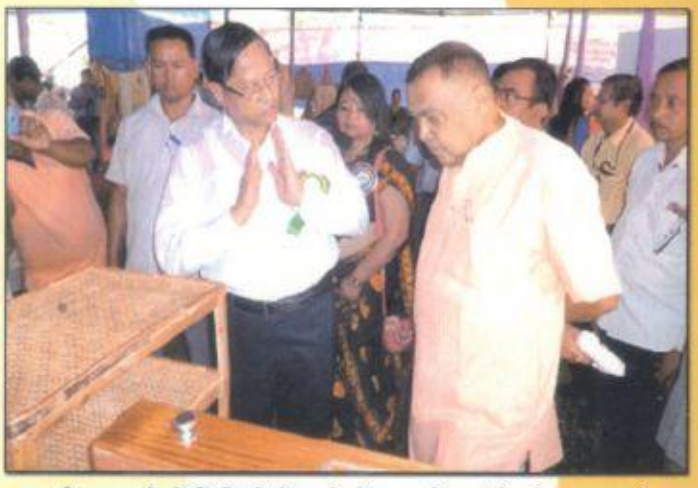

नवीनतम प्रौद्योगिकियों के बारे में माननीय मंत्री को जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह

माननीय रेशम मंत्री श्री रंजित दत्त पौधारोपण करते हुए

गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न पारंपरिक पोशाक का निरीक्षण करते हुए माननीय रेशम मंत्री

प्रदर्शनियां

मुख्य प्रदर्शनी गृह

मुख्य प्रदर्शनी का भीतरी नजारा

खाद्य पौधा

एरी रेशम कीट

रीलिंग मशीन

प्रदर्शनियां

पारंपरिक पोशाकों की प्रदर्शनी

श्री एच. श्याम सिंह, सहायक निदेशक (प्र. व. ले.) तथा
उनकी टीम गणेश वन्दना करते हुए।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोग।

संस्थान में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन करते हुए
माननीय रेशम मंत्री श्री रंजित दत्त

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र के आयोजन के दौरान मंच पर आमंत्रित सेवानिवृत्त निदेशकों (दाएं से) डॉ. बी. के. सिंह, निदेशक, केमूएअवप्रसं, लाहदोईगढ़, डॉ. राजेन चक्रवर्ती, निदेशक (सेवानिवृत्त), केमूएअवप्रसं, लाहदोईगढ़ (दिनांक 7.07.2004 से 31.05.2009 तक) डा एस.के.सेन, निदेशक (सेवानिवृत्त.), केमूएअवप्रसं, लाहदोईगढ़, (दिनांक 15.01.2001 से 29.09.2001 तक) श्री ए. बोरा, निदेशक (सेवानिवृत्त), एम. एम. ओ.एस.ओ.,केन्द्रीय रेशम बोर्ड, गुवाहाटी, श्री पी. के. दास, प्रभारी निदेशक (सेवानिवृत्त), एम.ओ.एस.ओ., केन्द्रीय रेशम बोर्ड, गुवाहाटी।

इस मौके पर सेवानिवृत्त निदेशकों ने अपने-अपने भाषण में संस्थान के रूप में केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, लाहदोईगढ़ की पूर्व स्थिति क्या थी, कैसी थी और स्थिति को किस तरह विकास के मार्ग की ओर लाया गया, के बारे में जानकारी दी।

इस संबंध में, सबसे पहले डॉ. राजेन चक्रवर्ती, निदेशक (सेवानिवृत्त) ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा रेशम कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि रेशम संवर्धन सीमित शब्द नहीं है बल्कि एक अपार संभावनाएं से भरपूर एक कुटीर उद्योग या शिल्प है जिससे हमारे देश के कृषकगण प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने इस संस्थान का कार्यभार ग्रहण किया था, उस समय संस्थान में पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं नहीं थी और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा इससे इस संस्थान के सर्वोपरि विकास का काफी प्रयास किया गया।

अधिक रेशम उत्पादन करने तथा कृषक स्तर पर विकासात्मक प्रणाली को सुधारने के लिए जहां तक इस संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकियों की बात है, यह काफी हद तक रेशम उत्पादन के क्षेत्र में परिवर्तन की दिशा परिलक्षित हुई है परंतु इसके बावजूद संस्थान को वांछित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

इस क्रम में डॉ के. दास, वैज्ञानिक-डी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इस संस्थान की स्थापना हेतु सबसे पहले एक स्थायी जमीन की जरूरत थी तथा जमीन के लिए राज्य सरकार के संबंधित विभाग से जमीन संबंधी कागजात के लिए दौड़-धूप करने तथा इसे निपटाने में काफी कष्ट उठाना पड़ा जिसकी वजह से आज इस संस्थान में सुन्दर माहौल तथा व्यवस्थित प्रबंधन दिखाई देता है। कुल मिलाकर यह कई व्यक्तियों के सामूहिक कष्ट का सुपरिणाम है।

इसके पश्चात विभिन्न जिलों से आए रेशम कृषकों ने रेशम संवर्धन में प्राप्त अनुभव के बारे में बताया तथा अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे रेशम कीटपालन तथा उसमें दिखाई दिए जाने वाले कुछ कीट संबंधी बीमारियों के निदान के लिए वैज्ञानिकों से सलाह व उपाय की मांग की।

सांस्कृतिक संध्या की झलक

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. बी. के. सिंह

सांस्कृतिक संध्या में गीत प्रस्तुत करते हुए संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी।

कार्यालयीन साहित्य का अनुवाद और अनुवाद प्रशिक्षण की व्यवस्था

8.1 अनुवाद की व्यवस्था

विभिन्न प्रकार के कागजात के अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद के लिए निम्नलिखित प्रबंध है-

(1) संविधियों, सांविधिक नियमों, विनिमयों और अध्यादेश को जिसमें उनसे संबंधित फार्म भी शामिल है, अनुवाद विधि मंत्रालय के विधि विभाग का राजभाषा खंड करता है।

(2) असांविधिक मैनुअलों, संहिताओं और अन्य कार्यविधि साहित्य तथा उनसे संबंधित फार्मों का अनुवाद गृह मंत्रालय में राजभाषा के अधीन केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो करता है, यदि किसी मैनुअल आदि में कुछ अंश सांविधिक और कुछ असांविधिक ही तो विधि मंत्रालय में विधि विभाग का राजभाषा खंड सांविधिक अंशों का अनुवाद करता है और असांविधिक अंशों का अनुवाद राजभाषा विभाग का क़ेन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो करता है। परन्तु तीनों रक्षा सेवाओं, रेल मंत्रालय और डाक-तार विभाग अपनी असांविधिक सामग्री का अनुवाद स्वयं करते हैं।

(3) हर मंत्रालय/विभाग निम्नलिखित प्रकार की सामग्री के अनुवाद के लिए प्रबंध स्वयं करता है-

(क) संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, विनियम, प्रेस विज्ञप्तियां, परिपत्र, विभिन्न प्रकार की योजनाएं, परियोजनाएं तथा कार्यक्रम आदि और इन कागजात से संबंधित सभी फार्म।

(ख) संसद के प्रश्नों के उत्तर और संसद के किसी एक सदन या दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले कागजात।

(ग) संविधाएं, कर, लाइसेंस, परमिट, टेंडरों के नोटिस और फार्म आदि।

(4) मंत्रालय/विभाग ऐसे विधिक नियमों की सूची बना लें जो इस समय लागू हैं और जिनका अभी हिन्दी अनुवाद नहीं हुआ है। ऐसी सूची की एक प्रति नियमों के अद्यतन प्रति सित विधायी विभाग के राजभाषा खंड को अनुवाद के लिए तुरंत भिजवाएं।

(5) जो कोड, मैनूअल आदि राजभाषा विभाग के केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो को अनुवाद के लिए भेजे गए हैं और उनका प्रयोग विभागीय या पदोन्नति परीक्षाओं में बैठने वाले कर्मचारियों द्वारा किया जाना है, उनके बारे में सूचना केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो विधायी विभाग के राजभाषा खण्ड को तुरन्त भेज दी जाए ताकि उसका अनुवाद प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। ऐसे कोडों, मैनुअलों तथा अन्य प्रक्रिया संबंधी साहित्य को निम्निलिखित प्रकार की प्राथमिकता दी जाएगी।

(1) जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रयोग किया जाना है।

(2) जिनका विभागीय परीक्षाओं में प्रयोग किया जाना है।

(3) जिनके हिन्दी अनुवाद उपलब्ध न होने के कारण विभागीय कार्य रूकता है।

(4) जिनके हिन्दी अनुवाद उपलब्ध न होने कारण छपाई का काम रूका हुआ है।

(5) जिनका संशोधन किया गया है किन्तु संशोधन का अनुवाद नहीं किया गया है।

केन्द्रीय सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभाग अपने तथा अपने संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों और नियंत्रणाधीन कंपनियों, निगमों, बैंकों आदि में ली जाने वाली विभागीय तथा पदोन्नति परीक्षाओं के लिए जिन कोडों, मैनुअलों या दूसरी पुस्तकों आदि का प्रयोग किया जाता है उनका हिन्दी अनुवाद शीघ्र करवमाने की व्यवस्था करें। उपलब्ध मैनुअलों, कोड तथा अनुय प्रक्रिया संबंधी साहित्य की समीक्षा कर ली जाए और अनुवाद के लिए केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो को भिजवा दें। यदि किसी नए बनाए जा रहे या संशोधित किए जा रहे मैनुअल, कोड आदि को इकट्ठा अनुवाद के लिए भेजना संभव न हो तो ऐसी सामग्री चैरवाइज भी भेजी जा सकती है। भेजी गई सामग्री का ऊपर बताए गए क्रम के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर ब्यूरो द्वारा अनुवाद किया जायेगा।

[का.ज्ञा.ई.-11012/2/72रा. भा.एकक,दिनांक16.09-1972, क्रम .सं. 124]

[का.ज्ञा.ई.-13017/2/88रा. भा.(ग), दिनांक 20-.06-.1988, अनुक्रम .सं. 243]

[का.ज्ञा.ई.-14012/11/87 रा. भा.(ग), दिनांक 127-1988. अनुक्रम. सं. 245]

संस्थान तथा इसके अधीनस्थ इकाइयों में हिन्दी पखवाड़ा तथा हिन्दी दिवस 2016 मनाया गया

केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, लाहदोईगढ़ में हिन्दी पखवाड़ा और दिवस मनाया गया

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान में दिनांक 1 से 14 सितम्बर, 2016 तक हिन्दी पखवाड़ा तथा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान हिन्दी निबंध लेखन, नोटिग-ड्राफ्टिंग, शब्दावली व अनुवाद, हिन्दी क्वीज प्रश्नोत्तरी और हिन्दी गीत जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को हिन्दी दिवस तथा समापन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री, भारत सरकार, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरु तथा सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरु के संदेश का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं में विजित प्रतिभागियों को क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

वर्ष के दौरान संस्थान तथा इसके अधीनस्थ इकाइयों के जिन अधिकारी तथा कर्मचारियों ने मूल रूप से हिन्दी में काम किया, को केन्द्रीय रेशम बोर्ड की उस योजना के तहत नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

संस्थान के अधीनस्थ इकाइयों में हिन्दी दिवस

अनुसंधान प्रसार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, फतेहपुर (उत्तर प्रदेश)

अनुसंधान प्रसार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों तथा विद्यालय के छात्रों के साथ हिन्दी दिवस मनाया गया।

हिन्दी दिवस की शुरूआत में, केन्द्र के तकनीकी सहायक श्री विजय कुमार ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया तथा हिन्दी दिवस आयोजन का उद्देश्य तथा इसके महत्व के बारे में बताया। तत्पश्चात इकाई के प्रभारी अधिकारी श्री सूरज पाल, वैज्ञानिक-डी ने श्री हनुमन्त टाप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरू और माननीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री राजनाथ सिंह का संदेश पढ़कर सुनाया। श्री विजय कुमार, तकनीकी सहायक ने डा एच. नागेश प्रभु, सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, भारत सरकार का संदेश पढ़कर सुनाया।

इस मौके पर श्रीमती सुनीता मिश्रा, कम्प्यूटर इंजीनियर ने राजभाषा हिन्दी को अधिक से अधिक प्रयोग पर बल दिया। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य अतिथि ने हमें देश में हिन्दी का महत्व के बारे में जानकी देते हुए कहा कि हमें अपने काम-काज हिन्दी में करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर छात्रों द्वारा हिन्दी चुटकुले और कविता पढ़कर सुनाई गई तथा प्रभारी अधिकारी श्री सुराज पाल ने भी कविता पढ़कर सुनाई।

क्षेत्रीय एरी अनुसंधान केन्द्र, शादनगर, आन्ध्र प्रदेश

क्षेत्रीय एरी अनुसंधान केन्द्र, शादनगर, आन्ध्र प्रदेश में दिनांक 14 सितम्बर,2016 को हिन्दी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विद्यालय की श्रीमती जी. अनुराधा तथा श्री सुरेश कुमार मिश्र को आमंत्रित किया गया। केन्द्र के तकनीकी सहायक ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा प्रभारी अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार तथा कर्मचारियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की प्रक्रिया आरंभ होने से पूर्व डॉ. प्रवीण कुमार ने सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड का संदेश पढ़कर सुनाया। तत्पश्चात तकनीकी सहायक ने श्रीहनुमन्त टाप्पा अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरू और माननीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री राजनाथ सिंह का संदेश पढ़कर सुनाया।

अंत में, मुख्य अतिथियों ने हिन्दी दिवस का प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी अपनी भूमिका निभाती है जो देश के सभी लोगों को एक ही सूत्र में बांधती है और जिसकी परिभाषा निम्न प्रकार की है -

हिन्दी बोलो, हिन्दी सीखो, हिन्दी को अपनाओ,
हिन्दी है देश की रानी, आओ इसे अपनाओ ।

अनुसंधान विस्तार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड कोच बिहार (पं. बंगाल)

राजभाषा विभाग तथा मुख्यालय के यथा आदेश अनुसंधान विस्तार केन्द्र,केन्द्रीय रेशम बोर्ड, कोच बिहार में दिनांक 14.09.2016 को हिन्दी पखवाड़ा तथा हिन्दी दिवस 2016 का समापन समारोह का रंगारंग कार्यक्रम के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अध्यक्ष माननीय श्री के. एम. हनुमन्तरायप्पा, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के माननीय सदस्य सचिव, डॉ. नागेश प्रभु तथा भारत सरकार के गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह का सन्देश का पाठ किया गया।

इस अवसर पर इकाई के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया तथा राज्य सरकार के रेशम विभाग के खकागड़ाबाड़ी स्थित रेशम खाम के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण को उक्त दिवस के समारोह में आमंत्रित किया गया। उक्त समारोह की अध्यक्षता इकाई के प्रभारी अधिकारी डॉ. सोमेन्द्र नाथ बागची ने की।

श्री सुब्रत सरकार, तकनीकी सहायक ने सभी उपस्थित लोगों का हार्दिक स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य की व्याख्या की। उन्होंने हिन्दी दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यालयीन भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व है तथा हिन्दी पखवाड़े तथा हिन्दी दिवस के दौरान कार्यालय के सभी कर्मचारियों को अपने काम-काज हिन्दी में किए जाने पर चर्चा की।

केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, लाहदोईगढ़ के वैज्ञानिक-बी श्री विजय एन. इस अवसर पर उपस्थित थे तथा उन्होंने अपने भाषण में कहा कि ग क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में अधिक से अधिक हिन्दी प्रयोग होना चाहिए।

डॉ एन. विश्वास, वैज्ञानिक-डी ने कहा कि राजभाषा हिन्दी की गरिमा ताथ इसके महत्व का कदर करते हुए हम हर वर्ष हिन्दी पखवाड़े तथा हिन्दी दिवस का पालन करते आ रहे हैं। इस पालन के दौरान हम अपने कार्यालयों में हिन्दी भाषा से संबंधित हिन्दी शब्दावली तथा इसका प्रयोग प्रशासनिक स्तर पर करते हैं।

अध्यक्षीय भाषण में डॉ सोमेन्द्र नाथ बागजा, बैज्ञानिक-डी व प्रभारी अधिकारी ने कहा कि इस केन्द्र ने हिन्दी में काम करने के निर्धारित लक्ष्य 55 प्रतिशत से अधिक 80 प्रतिशत हिन्दी कार्य का लक्ष्य हासिल किया है। इस सफलता के लिए उन्होंने खुशी व्यक्त की तथा अपने अधीन आने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को बधाई दी।

अनुसंधान विस्त केन्द्र, डिफू, कार्बी-आंगलोंग

अनुसंधान विस्तार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, डिफू में दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। उक्त दिवस में स्थानीय हिन्दी विद्यालय के श्री पवन चन्द्र नाथ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया ।

इकाई के प्रभारी श्री दिलीप कुमार खनिकर, तकनीकी सहायक ने हिन्दी दिवस आयोजन पर महत्व देते हुए कहा कि केन्द्रीय सरकार के सभी विभागों तथा कार्यालयों में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है जिससे कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारीगणों में राजभाषा हिन्दी के प्रति रूचि बढ़ सके। इसके साथ आमंत्रित श्री नाथ ने कहा कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा के तौर पर भारत के प्रत्येक राज्यों में प्रसारित किया गया तथा इससे भारत के सभी लोग हिन्दी ग्रहण कर अध्ययन तथा अध्यापन कर रहे हैं।

इस दौरान हिन्दी प्रतियोगिता आयोजित हुई तथा विजयी कर्मचारियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

अनुसंधान विस्तार केन्द्र, लखीमपुर

अनुसंधान विस्तार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, लखीमपुर में दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को हिन्दी दिवस 2016 को आयोजित किया गया, जिसमें केन्द्र के सभी कर्मचारियों के साथ कुशल फार्म मजदूरों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में, श्री दिगन्त मेस, वैज्ञानिक-डी तथा प्रभारी अधिकारी ने हिन्दी दिवस मनाने के उद्देश्य के संबंध में उपस्थित कर्मचारीवर्ग को जानकारी दी।

अपने भाषण में उन्होने कहा कि हिन्दी केवल भारत की राजभाषा ही नहीं बल्कि सभी भारतीय लोगों को जोड़ने के लिए एक सम्पर्क भाषा भी है। उन्होंने अपने अधीन कार्यरत कर्मचारीवर्ग से उम्मीद रखी कि वे कार्यालय में हिन्दी में बात करने तथा हिन्दी लिखने का प्रयास करते रहें जिससे कार्यालय के काम-काज में हिन्दी का प्रयोग हो तथा इससे हिन्दी कार्य में प्रगति होने की पूरी संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अध्यक्ष माननीय श्री के.एम.हनुमन्तरायप्पा, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के माननीय सदस्य सचिव, डॉ नागेश प्रभु तथा भारत सरकार के गृहमंत्री श्रीराजनाथ सिंह का सन्देश का पाठ किया गया। इस दौरान हिन्दी निबन्ध तथा तत्काल भाषण की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई तथा प्रतियोगिता में विजयी कर्मचारियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

संपादक
डॉ. राजेश कुमार व श्री गजेन टाये
डॉ. बी.के. सिंह, निदेशक द्वारा प्रकाशित
केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणित संस्थान), केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय : भारत सरकार, लाहदोईगढ़-785700, जोरहाट (असम)
दूरभाष : 0376-2335513
ई-मेल : cmerti@rediffmail.com, cmertilad.csb@nic.in ■ वेबसाइट : www.cmerti.res.in